फूलो में सज रही है माँ अम्बे दुर्गे रानी लिरिक्स

फूलो में सज रही है,
माँ अम्बे दुर्गे रानी,
और हाथ में त्रिशूल है,
करे सिंह कि सवारी,
फूलों में सज रही है,
माँ अम्बे दुर्गे रानी।bd।

तर्ज – फूलो में सज रहे है।

सोने का मुकुट सर पर,
लगता है कितना प्यारा,
मुख पर तेज है इतना,
सूरज में नही जितना,
ओर लम्बे लम्बे केश है,
जैसे घटा हो काली,
फूलों में सज रही है,
माँ अम्बे दुर्गे रानी।bd।

माथे पे बिंदिया जैसे,
चंदा चमक रहा हो,
आँखों मे जोति ऐसी,
प्यार बरस रहा हो,
भगतो के लिए प्यार है,
दुश्मन के लिए काली,
फूलों में सज रही है,
माँ अम्बे दुर्गे रानी।bd।

पुष्पो की गल मे माला,
लगती है कितनी प्यारी,
लाल चुनरियाँ ओड़े,
भगतो के मन को भाती,
तेरे चरणों से लगा ले,
जांगिड़ को माँ भवानी,
फूलों में सज रही है,
माँ अम्बे दुर्गे रानी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

फूलो में सज रही है,
माँ अम्बे दुर्गे रानी,
और हाथ में त्रिशूल है,
करे सिंह कि सवारी,
फूलों में सज रही है,
माँ अम्बे दुर्गे रानी।bd।

गायक/लेखक – अशोक कुमार जांगिड़।
सवाई माधोपुर – 9828123517

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com